Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 11-08-2005

Participants : Pradhan Shri Dharmendra

>

Title : Regarding Ministry of Coal's order denying employment and other rehabilitation benefits to land oustees whose land was acquired for minig purpose .

श्री धर्मेन्द्र प्रधान (देवगढ़) : अध्यक्ष महोदय, यह महत्वपूर्ण विाय है, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्ाित करना चाहता हूं कि कोयला मंत्रालय ने अभी एक नई लिखित अधिसूचना जारी की है कि जो कोयला खदान बनती हैं, नई कोयला खदान खुलती है, उसमें कई लोगों की जमीन का अधिग्रहण किया जाता है। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय ने ऐसा निदेश दिया है जिसमें रिस्पेक्टिव स्टेट्स के संबंधित प्रदेशों की रिहेबिलिटेशन पॉलिसी को नजरअंदाज किया गया है। मैं विशे तौर पर उड़ीसा के मामले में कहूंगा कि 1989 रिहेबिलीटेशन पॉलिसी को सरकार द्वारा नहीं मानने की मानसिकता में लगभग 5,000 विस्थापित लोग हैं, जिनका कानूनन अधिकार बनता है, आज बेघर हो चुके हैं। आज उनकी जिंदगी का सवाल बन चुका है। इससे संबंधित विाय पर कोयला मंत्री से प्रश्न किया जाता है तब उनकी ओर से कहा जाता है कि उसको आ वश्यकता के अधीन रिइन्वेस्ट किया जाएगा। कोयला विभाग में ाडयंत्र चला cè[p25]

13.00 hrs.

एक तरफ यू.पी.ए. सरकार की आउटसोर्सिंग के नाम पर विदेशी कम्पनियां कोयला सैक्टर में प्रौफिट मेकिंग हो रही हैं तो दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी कहती है: ' कांग्रेस का हाथ, गरीबों के साथ' लेकिन यहां तो गरीबों का सवाल है जिसे वह अपने कॉमन मिनिमम प्रोग्राम में भी कहती है। इसलिये मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्ाित करना चाहता हूं कि इस पर रोक लगाई जाये और जो एग्जिस्टिंग रिहैबिलिटेशन पौलिसी है, उसे लागू किया जाये और गरीब विरोधी कानून खत्म किया जाये।

MR. SPEAKER: Shri Ram Kirpal Yadav.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Do not think that I am allowing you because you are showing me your red eyes. Every challenge to the Speaker's ruling will be treated in future as a breach of privilege and I will take action.

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझ पर आरोप गलत लगाया है। मैंने आपकी हमेशा रिस्पैक्ट की है…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बोलना चाहते हैं तो बोलिये, मैंने आपका नाम पुकारा है।

श्री राम कृपाल यादव : अध्यक्ष जी, मैं बोल रहा हूं लेकिन आप जो कह रहे हैं कि मैंने आपके लिये ऐसा किया, वैसा किया। मैने ऐसा कभी नहीं किया। आप हमारे कस्टोडियन हैं।

MR. SPEAKER: Do you want to raise your matter or not?

श्री राम कृपाल यादव : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्ाित करना चाहता हूं कि…(व्यवधान)

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : अध्यक्ष जी, श्री राम कृपाल यादव की इंटेंशन आपकी डिसरिस्पैक्ट करने की नहीं है। वह अति उत्साह और आपके अफैक्शन में कभी-कभी बोल जाते हैं।

अध्यक्ष महोदय : मैंने उन्हें बुलाया और मौका दिया लेकिन वेट भी नहीं करेंगे। दूसरे सदस्य हम से कहते हैं कि राम कृपाल यादव और प्रभुनाथ सिंह बिहार के मामले में मोनोपोलाइज़ करते हैं।

श्री राम कृपाल यादव : क्या उनके कहने पर हमें पनिशमेंट दे रहे हैं?

अध्यक्ष महोदय : आप अपना गला थोड़ा नर्म और वायस नर्म कीजिये।